कौरु नगर बर हो

ऐ कौरु नगर बर हो...
मोला संग देबे माता...

जब पाटनपुर के पाट देवता, संबलपुर समलाई
गढ़ धमतरी के बिलाई ला सुमिरव, डोंगरगढ़ बमलाई रतनपुरी महामाई ला सुमिरव, धमधा के अटल कुंवारी
ऐ कौरु नगर बर हो...
मोला संग देबे माता...

राजिम मा हे राजीव लोचन, जहां त्रिवेणी धाम हे, भोरमदेव मा भोला बिराजे, जग मा जेकर नाम हे चंपारण मा सउहत बैठे, जग के पालनहारी
तोला बंदव तोला बंदव, छत्तीसगढ़ महतारी
ऐ कौरु नगर बर हो...
मोला संग देबे माता...

जब कालकत्ता के काली ल सुमीरव,मैहर शरदा माई
दंतेवाड़ा दांतेश्वरी ल सुमीरव, जतमई घाटा रानी
गड़ नरवर के नरसिंग देवता,परवत गिरजा माई
कालीपुर के भैरव बाबा, दुरुग के चंडी माई
ऐ कौरु नगर बर हो...
मोला संग देबे माता...

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36426/title/kauru-nagar-bar-ho

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |